

Rule 377

अध्यक्ष महोदय : यह तेजी भी इस में उधर से आयी जिस दिन आसाम का इन्होंने सुना । तो इन्होंने कहा कि हम भी मार्का मारेंगे कोई ।

office that it is a violation of law. If there is any violation, the Minister will explain it.

13.06 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) REPORTED PUBLICATION OF A NEW EDITION OF THE 'INDIAN EXPRESS' FROM COCHIN IN VIOLATION OF GOVERNMENT POLICY RE. NEWSPRINT

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN (Badagara): Sir, under rule 377, I wish to invite the attention of the House to a grave matter, a policy departure by the Government of India and the Ministry of Information and Broadcasting on the question of diffusion and delinking of the press, which has been repeatedly reiterated in both the Houses. I am reliably informed that the *Indian Express* chain of newspapers, which has already 22 newspapers, which is very well-known for its notorious mismanagement, ill-treatment of journalists and various other fraudulent practices, has been allowed to start a new edition of *Indian Express* from Cochin from today. I am told it has come out today or is coming out sometime during the week. When there is acute shortage of newsprint and foreign exchange is hardly available for importing it, I want to know how this newspaper is being given newsprint to start a new edition, when language newspapers are closing down their editions and journalists are being retrenched. How was this paper permitted to start a new edition? Is it not a policy departure? Where did they get the newsprint for this new edition? I would request you to direct the Minister to make a statement about it at the earliest opportunity.

MR. SPEAKER: This question has been raised by many others also—**Shri Amrit Nahata, Shri Shashi Bhushan, Shri Chandrakar** and others. I am not allowing all. I allowed one. I had a lot of hesitation in my mind when allowing it. **Mr. Unnikrishnan** wrote to the

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (श्यालियार): अध्यक्ष महोदय, अगर वायलेशन का सवाल है तो दिल्ली का एक पेपर अपने पेज बढ़ाता जा रहा है जिस का नाम "पैट्रियट" है। मंत्री महोदय यह भी बता दें कि वह वायलेशन कर रहा है कि नहीं।

(ii) REPORTED KIDNAPPING OF A WORKER AT MODI NAGAR

श्री हुकम चन्द कछवाय (मुरेना): अध्यक्ष महोदय, मैं आप का ध्यान एक महत्वपूर्ण मामले की तरफ दिलाना चाहता हूँ।

मोदीनगर में मजदूरों का जो आन्दोलन चल रहा है, उस के सम्बन्ध में कल काफी मजदूर रेल द्वारा वहाँ से दिल्ली आना चाहते थे, लेकिन मोदी मालिक ने स्टेशन मास्टर को टेलीफोन कर दिया कि किसी कर्मचारी को रेल का टिकट न दिया जाये, ताकि वे लोग दिल्ली न आ पाय। इस तरह उन लोगों को वहाँ रोक लिया गया मैं बताना चाहता हूँ कि उन लोगों का आन्दोलन क्यों चल रहा है। मोदी मालिकों ने वहाँ की यूनियन के लीडर, सुभाष शर्मा, को पिस्तौल और चाकू दिखा कर रात को उस के घर से गायब करने की कोशिश की और उस को जान से मारने का प्रयास किया। मोदी मालिकों के द्वारा वहाँ हर साल चार पांच मजदूरों का मर्डर किया जाता है, लेकिन उन के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं होती है। 21 नवम्बर से वहाँ पर मजदूरों का शान्तिमय आन्दोलन चल रहा है, जिस में किसी प्रकार की कोई गड़बड़ नहीं हुई है। इसके बावजूद वहाँ पर रात को बारह बजे दफ़ा 144 लगा दी गयी। कर्मचारियों ने एक गांव में जा कर अपनी सभा की। पुलिस ने उन को घेर लिया और उन को मारा-पीटा। पुलिस इन्स्पेक्टर सिंगर ने लोगों को गोली से मारने की धमकी दी। अनेक महिलाओं को मारा-पीटा गया। एक